

**A REPORT
ON
INTERNATIONAL SEMINAR
ON**

BHARATIYA SAHITYA KA ANTARARASHTRIYA PARIPREKSHA

भारतीय साहित्य का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष

16th AND 17th FEBRUARY 2018

ORGANISED BY

DEPARTMENT OF HINDI

B.L.D.E. Association,

S. B. ARTS AND K.C.P. SCIENCE COLLEGE,

VIJAYAPUR-586103

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रतिवेदन

दिनांक : 16 तथा 17 फरवरी, 2018 को बी.एल.डी.इ संस्था के एस. बी. कला एवं के.सी.पी. विज्ञान महाविद्यालय में रानी चतुर्मा विश्वविद्यालय कॉलेज हिन्दी प्रध्यापक संघ के तत्वावधान में आयोजित 'भारतीय साहित्य का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' विषय पर द्वि दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। शुक्रवार दि. 16-2-2018 को अमेरिका से पधारी डॉ. संविता गौर ने संगोष्ठी का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि "भारत का भविष्य बदल रहा है। भारत की वैविध्यमय संस्कृति ने भारत को एक बनाया है। इस अनूठी संस्कृति को आनेवाली पीढ़ी को अवगत कराने की आवश्यकता है।" बीजव देते हुए हैम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी के प्रो. रामप्रसाद भट्ट ने कहा कि भारतीय साहित्य में हिन्दी साहित्य का श्रेष्ठ स्थान है। भारतीय साहित्य का अन्य भाषाओं में अनुवाद हो रहा है। हिन्दी साहित्य की प्राचीनता तथा उसकी परंपरा बहुत ही विशाल है। कालिदास का साहित्य तथा पंचतंत्र की कहानियों का अनुवाद जर्मन भाषाओं में हुआ है। इसी संदर्भ में हार्लगेरी अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. वी. एस. माळी ने कहा कि भाषाएँ दीवारें बनाती हैं और अनुवाद इन दीवारों को गिराता है। ऐसी दीवारों को गिराने के लिए ऐसी संगोष्ठियों की आवश्यकता है। वैश्विक परिदृश्य में कन्नड के अस्तित्व को उजागर करने की आवश्यकता है। कन्नड के वचन साहित्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुँचाने का स्तुत्य कार्य हुआ है। नेपाल के अवधी सांस्कृतिक प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्री विष्णुलाल कुमाल ने कहा कि भारतीय भाषाओं के साहित्य को विश्व स्तर पर अनुवाद के माध्यम से पहुँचाकर उसको गौरवान्वित करने की आवश्यकता है। इसी सत्र में डॉ. एस. टी. मेरवाडे, डॉ. एस. एस. तेरदाल, डॉ. एस. जे. पवार, डॉ. एस. जे. जहागीदार द्वारा हिन्दी संपादित 'भारतीय भाषाओं का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' कन्नड में प्रो. बी. बी. डेंगनवर, डॉ. आर. वी. पाटील, प्रो. एस. एम. नालवतवाड तथा डॉ. एम. एस. मागणगेरी द्वारा संपादित 'महोन्नत' तथा 'विहंगम'; डॉ. एस. जे. पवार, प्रो. धन्यकुमार बिराजदार, डॉ. परमेश्वर पाटील, प्रो. गंगाधर गेंड द्वारा मराठी में संपादित 'भारतीय साहित्याचा आंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' प्रो. जी. आर. अंबली, तथा प्रो. के. एच. काखंडकी द्वारा संस्कृत में संपादित 'संस्कृत सुगंधः' पुस्तकों का लोकार्पण केनडा की वेनिसा असविडो ने किया। बी.ए.डी.इ. विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. बी. जी. मूलिमनी ने अध्यक्षता की। मंच पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. जी. पुजारी, नेपाली फिल्म अभिनेता जीनू जी, बी.एल.डी.इ. संस्था के प्रशासनिक अधिकारी प्रो. बी. आर. पाटील आदि मंच पर उपस्थित थे।


संगोष्ठी का प्रथम सत्र का आरंभ प्रो. ऋषभदेव शर्मा की अध्यक्षता में हुआ। इस सत्र में पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (संध्या), दिल्ली विश्वविद्यालय के डॉ. हरीश अरोडा ने 'हिन्दी साहित्य का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' पर प्रपत्र प्रस्तुत किया। बेंगलूर विश्वविद्यालय के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. प्रभाशंकर 'प्रेमी' ने कन्नड साहित्य का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य पर अपने विचार व्यक्त किए। शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कालाडी (केरल) की हिन्दी विभाग की प्रो. शांति नायर ने 'मर्लियालम साहित्य के अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' पर अपने विचार अभिव्यक्त किए। कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड, हिन्दी विभाग की प्रो. (श्रीमती) प्रभा भट्ट ने कोंकणी कहानियाँ: स्त्री तथा वृद्ध विमर्श पर अपने विचार व्यक्त किए। कुर्वेणु विश्वविद्यालय, हिन्दी विभागाध्यक्षा डॉ. उमा हेगडे ने गिरीश कर्नाड के नाटकों पर अपने विचार व्यक्त किए।

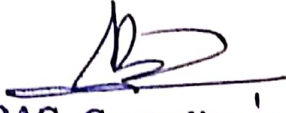
बी.एल.डी.इ. संस्था के एस.बी. कला एवं के.सी.पी. विज्ञान महाविद्यालय, विजयपुर के पूर्व विद्यार्थी संघ की ओर से आयोजित 'शिवरंजनी' संगीत संध्या का आनंद प्रतिभागियों ने उठाया ।


दिनांक 17-2-2018 को कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. एस. के. पवार की अध्यक्षता में द्वितीय सत्र सम्पन्न हुआ । इस सत्र में मैसूर विश्वविद्यालय की हिन्दी विभागे की प्रो. प्रतिभा मुदलियार ने 'मराठी नाटक विकास यात्रा' पर अपने विचारों को व्यक्त किया । मौलाना आजाद केंद्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद हिन्दी विभाग के डॉ. रहीम खान पठान ने 'तेलुगु साहित्य का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य' विषय पर अपने विचारों को अभिव्यक्त किया । श्री एम. बी. कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, गोंडल, राजकोट (गुजरात) के डॉ. ए. डी. चावडा ने 'गुजराती उपन्यास साहित्य' पर प्रपत्र प्रस्तुत किया ।

तृतीय सत्र में कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूर के हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. अशोक कांबले की अध्यक्षता में अनेक प्राध्यापकों तथा शोधार्थियों ने प्रपत्र पस्तुथ किए ।

समारोप समारोह में डॉ. व्ही. एस. माळी ने अपने विचारों को व्यक्त करते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय ने संगोष्ठी सभी के लिए एक आदर्श स्थापित किया है । ऐसी संगोष्ठियों से प्रेरणा मिलती है । काडसिध्देश्वर महाविद्यालय, हबल्ली की हिन्दी विभागाध्यक्षा डॉ. विद्यावती रजपूत ने अपने अनुभवों को व्यक्त किया । बी.एल.डी.इ. विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एम. एस. बिरादार ने समारोह की अध्यक्षता की । मंच पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. जी. पुजारी, संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. जी. आर. अंबली, प्रो. बी. बी. डेंगनवर, डॉ. एस. जे. पवार, डॉ. एस. जे. जहागीरदार, प्रो. ए. एम. सिद्दीकी आदि उपस्थित थे । संगोष्ठी के संयोजक डॉ. एस. टी. मेरवाडे ने कार्यक्रम का संचालन किया । राष्ट्रगीत के साथ संगोष्ठी का समापन हुआ ।


S. J. PAWAR.
Head, Dept. of Hindi,
S. B. Arts, & K. C. P Science
College, BIJAPUR.

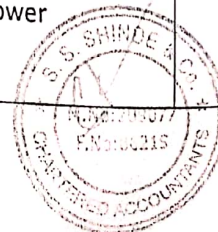

IQAC, Co-ordinator
S.B.Arts & K.C.P.Science College,
Vijayapur.


Principal,
S.B. Arts and KCP Science Collge,
VIJAYAPUR

B.L.D.E . ASSOCIATION'S
S.B. ARTS & K.C.P. SCIENCE COLLEGE, VIJAYAPUR
INTERNATIONAL SEMINAR ON HINDI, KANNADA , SANSKRIT, & MARATHI
(SELF FUNDED)

Receipts and Payments account for the period ending 17.02.2018

Receipts	Amount	Payments	Amount
Registration Fee (Bank)	144000.00	TA/DA Honorarium to Resource	
Registration Fee (DD)	30000.00	Person:	
Registration Fee (16.02.2018)	61000.00	Dr. Kumala Nepal	15000.00
Registration Fee (16.02.2018)	20000.00	Dr. Prabha Bhatt Dharwad	4000.00
Registration Fee (17.02.2018)	40000.00	Dr. Uma Hegde Shivamoga	3000.00
Registration Fee (17.02.2018)	10000.00	Shri. Kumar Bagewadi	7500.00
Sale of Books	4250.00	Dr. Parbhashankar Bangalore	2000.00
Donation Collected:		Dr. Murumkar Dutt Mumbai	3000.00
Prof. S.J.Pawar	38000.00	Dr. Ramprasad Bhatt Germany	10000.00
Prof. S.T.Merwade	40000.00	Dr. Harish Arora Delhi	11500.00
Prof. B.B.Denganavar	20000.00	Dr. Savita Gour America	12000.00
Prof. G.R.Ambali	20000.00	Dr. S.K.Pawar Dharwad	2000.00
Prof. S.S.Terdal	20000.00	Shri. Vrushabhdev Sharma Hyd	2000.00
Prof. S.M.Nalvatwad	20000.00	Shri. Pathan Khan Hyd	2000.00
Prof. M.S.Maganageri	20000.00	Shri. A.D.Chaval Rajkot	4000.00
Prof. R.H.Bidari	5000.00	Smt. Pratima Mudliyar Mysore	2000.00
Prof. P.S.Koraddi	5000.00	Dr. B.G.Mulimani	10000.00
Prof. R.R.Utagi	5000.00	Dr. Ashok Kamble	5000.00
Prof. S.H.Kakhandki	5000.00	Dr. V.S.Mali	3000.00
Prof. B.M.Sankannavar	5000.00	Dr. B.G.Biradar	3000.00
Shri. Nagesh Shetty	10000.00	Dr. Jeevan Hadagali	3000.00
Prof. D.Y.Uppar	11000.00	Dr. H.B.Kolkar	2000.00
Shri. Bhimashankar Hippargi	5000.00	Shri. Gangadhar	1000.00
Prof. S.G.Gani	9500.00	Smt. Vijayalaxmi Hiremath	1000.00
Prof. U.S.Pujari	2000.00	Shri. Himadi (Raibagh)	2000.00
Prof. A.S.Pujari	1000.00	Lodging and Boarding (Delhi,	11000.00
Prof. S.S.Nadagouda	1000.00	Mumbai, Solapur)	
Prof. S.S.Patil	1000.00	Resource Members Ticket Bill	29927.00
Prof. M.G.Yankanchi	1000.00	Printing Bill	17940.00
Prof. S.B.Managuli	1000.00	Shawl Purchase	4800.00
Shri. S.Y.Achakanalli	1000.00	Photo Bill	3675.00
Shri. S.B.Pattadakal	1000.00	Batch	3600.00
Shri. A.B.Patil	1000.00	Car Rent	3500.00
Shri. B.S.Bagali	2000.00	Ribbon & Others	300.00
Shri. K.M.Lamani	2000.00	Suryavanshi Dharwad	1000.00
Shri. S.S.Kori	500.00	Lodging	3000.00
Prof. M.S.Yadgiri	500.00	Lodging	650.00
Prof. S.B.Savalagi	500.00	Lodging	7200.00
Prof. G.M.Nessur	500.00	Stage	9100.00
Prof. S.B.Patil	1000.00	Lighting	4600.00
Prof. M.B.Mulimani	2000.00	Pen & Pad	2476.00
Contribution by:		NRI Lunch Bill	2050.00
Prof. S.J.Pawar	10155.00	Tiffin	210.00
Prof. S.T.Merwade	10155.00	Banner	750.00
		Bouquet & Stage Flower	4350.00
		Parking	70.00
		Tea Bill	65.00



	Diesel	6000.00
	Driver Allowance	1500.00
	Kannada Banner	1680.00
	Cruiser Rent	4200.00
	Biseleri Water Bill	1850.00
	Tea Bill	6250.00
	Mike Set Rent	6000.00
	Shri Dulenge	615.00
	Post Ticket	440.00
	Hindi Book Printing	69667.00
	Kannada Book Printing Part 2	36403.00
	Kannada Book Printing part 1	55093.00
	Sanskrit Cultural Book Printing	62464.00
	Marathi Book Printing	18600.00
	Cruiser Rent	5000.00
	Lunch Bill	91000.00
	587060.00	587060.00

Kinds of checks exercised.

1. Vouching
2. Bank Reconciliation
3. Supporting Bills



For S. S. SHINDE & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

Signature :- PROPRIETOR
Designation : Chartered Accountant
Date :- 26.03.2018
Place:- VIJAYAPUR

CERTIFICATE

We have exercised the verification of vouchers and supporting documents to see that the money was actually utilized for the purpose for which it was Contribution.

Place :- VIJAYAPUR

Date :- 26.03.2018

S. J. PIVAR
Head, Dept. of Hindi
S.B.Arts & K.C.P. Science
College, Vijayapur.

IQAC, Co-ordinator
S.B.Arts & K.C.P.Science College,
Vijayapur.

Name of the Auditor with seal



For S. S. SHINDE & CO.
CHARTERED ACCOUNTANT

PROPRIETOR.

Principal,
S.B. Arts and KCP Science College
VIJAYAPUR

अनुक्रमणिका

1. भारतीय साहित्य का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य : विविध आयाम □ प्रो. ऋषभदेव शर्मा	1
2. कन्नड़ साहित्य का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य □ डॉ. टी. जी. प्रभाशंकर 'प्रेमी'	8
3. मराठी नाटक की विकास यात्रा □ प्रो. प्रतिभा मुदलियार	19
4. कोंकणी कहानी साहित्य: नारी एवं वृद्ध विमर्श के सन्दर्भ में □ प्रो. प्रभा भट्ट	32
5. भारतीय साहित्य में तेलुगु साहित्य का योगदान □ डॉ. पठान रहीम खान	42
6. भारतीय साहित्य का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य : तमिल के विशेष संदर्भ में □ डॉ. गुरमकोंडा नीरजा	50
7. भारतीय साहित्य को गुजराती उपन्यास साहित्य का योगदान □ डॉ. ए. डी. चावडा	56
9. 20 वीं सदी की प्रमुख कहानियों में आदिवासी समूह का सामाजिक संघर्ष □ प्रो. एस्. के. पवार	65
10. हिंदी दलित साहित्य का प्रेरणास्रोत □ प्रो. कांबले अशोक	72
11. कर्नाटक में हिन्दी साहित्यिक पत्रकारिता □ डॉ. एस. टी. मेरवाडे	78

12. मछुआरों की जिन्दगी की कथा-व्यथा को व्यक्त करता उपन्यास 'सागर, लहरें और मनुष्य' □ डॉ. शंकर तेरादाल	84
13. भारतीय मुस्लिम समाज की मानसिकता की पडताल करता उपन्यास 'अपवित्र आख्यान' □ डॉ. साहेबहुसैन जे. जहागीरदार	88
14. महानगरीय श्वेत-श्याम पक्ष को दर्शाता उपन्यास 'कबूतरखाना' □ डॉ. सदाशिव पवार	99
15. हिन्दी काव्य साहित्य में स्त्री-विमर्श : मंगलेश डबराल के संदर्भ में □ डॉ. श्रीमती विद्यावती जी. रजपूत	103
16. अनामिका के साहित्य में वृद्धास्था विमर्श □ डॉ. चंदन कुमारी	108
17. सुभाष शर्मा का 'भूख' कहानी संग्रह समकालीन समाज का आईना □ प्रो. एम. ए. पीरौ	114
18. हिन्दी साहित्य में दलित विमर्श: आत्मकथाओं के संदर्भ में □ प्रो. असजद एम. सिद्दीकी	118
19. 'साहित्य में पर्यावरण विमर्श' □ डॉ. अमिता मानव	123
20. हिन्दी पत्रकारिता □ डॉ. सुजाता एन. मगदुम	127
21. हिंदी बाल साहित्य □ डॉ. एम. ए. लिंगसूर	132
22. हिंदी भाषा : स्थिति-गति □ डॉ. एच. एम. अत्तार	135
23. हिन्दी भाषा तथा मीडिया □ डॉ. बी. एम. राठोड	141

70.	मायलन्द मिश्र के 'प्रदमं शीलं पृथिव' उपन्यास में ऐतिहासिकता ० सावित्री य. गजाकीश	341
71.	हिंदी पत्रकारिता का बाल साहित्य के लिए योगदान ० डॉ. शीला चौगुले	347
72.	नामिका शर्मा जी की कहानियों में अल्पसंख्यक विमर्श ० रोख परवीन बेगम दत्राहीम	353
73.	अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में लिखे गए उपन्यासों में चित्रित स्त्री समस्याएँ ० डॉ. राजेन्द्र पावार	361
74.	वर्तिका नन्दा के 'श्री. हैं... रहेंगी..' में चित्रित राजनैतिक संदर्भ ० प्रो. विजयनाथ मुंजावर	366
75.	वर्तिका नन्दा की कविता में स्त्री संवेदना ० डॉ. नीता श्रीकांत दीलतकर	371
76.	गिरिगिरि किशोर के दो प्रमुख उपन्यासों में दलित चेतना ० डॉ. आरती वर्मा	376
77.	डॉ. बालशीरी रेड्डी के ज़िंदगी की राह में नारी चित्रण ० गंगाधर गेंड	380
78.	'बीस छपए' : अभिगम जीवन का कट्ट यथार्थ ० डॉ. रवीन्द्र एम. अमीन	384
79.	हिंदी भाषा : स्थिति गति ० सुनीलकुमार यादव	392
80.	उषा प्रियचंदा के साहित्य में स्त्री विमर्श ० प्रो. विद्या एस. हिरेमट	398
81.	अनुवाद: विश्व से जुड़ने का सशक्त मध्यम ० राहुल लक्ष्मण कामार	401
82.	भूमंडलीकरण और हिन्दी साहित्य ० डॉ. एम. सिद्दिया	406

83.	नई सदी के हिन्दी उपन्यासों में अभिव्यक्त आर्थिक समस्याएँ ० वैशाली वैकटेश कुंभार	410
84.	स्त्री विमर्श: अनामिका-चुनी हुई कविताओं के संदर्भ में ० डॉ. कमलापानी	414
85.	हिंदी गद्य साहित्य: विविध विमर्श ० डॉ. भारती एच. दोडमनी	419
86.	'चंद्रगिरि के किनारे' उपन्यास में तलाक की समस्या ० डॉ. खुददुस अ. पाटील	423
87.	हिंदी पत्रकारिता ० नीता पाटील	427
88.	आरिगपूडि के उपन्यास 'उल्टी गंगा' में नारी समस्या ० डॉ. बापुराव व्ही. पाटील	430
89.	हिन्दी बाल साहित्य ० प्रो. सुनील व. ताटे	437
90.	हिन्दी पत्रकारिता ० प्रो. ए. व्ही सूर्यवंशी	443
		00



बी.एल.डी.ई. संस्था

एस.बी. कला एवं के.सी.पी. विज्ञान महाविद्यालय
विजयपुर (कर्नाटक)

तथा

श्रीमती बंगारम्मा विश्वविद्यालय कॉलेज हिन्दी प्राध्यापक संघ
के तत्वावधान में

भारतीय साहित्य का अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

विषय पर

द्वि दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक : 16 तथा 17 फरवरी, 2018

बी. एल. डी. ई. संस्था



B.L.D.E. ASSOCIATION

निमंत्रण

: स्थान :

सभागार, एस.बी. कला एवं के.सी.पी. विज्ञान महाविद्यालय
श्रीमती बंगारम्मा सज्जन परिसर, बी.एम्. पाटील रोड, विजयपुर-586103. कर्नाटक (भारत)

BLDE Association's
S.B. Arts & KCP Science College, Vijayapur

In
Collaboration with
College Alumni Association

A Two Day International Seminar on
"Indian Literature in International Perspective"

On
16th and 17th February, 2018

FEEDBACK FORM

Name of the Department : Hindi

Date: 17.02.2018

	Topic of the Seminar	Sub-Themes of the Seminar	Location
1. What influenced you to attend this Seminar	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
	On-line	e-mail	others
2. How did you obtain information of this programme	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>
3. What is your overall assessment of the event	V. Good <input checked="" type="checkbox"/>	Good <input type="checkbox"/>	Satisfactory <input type="checkbox"/>
4. How would you rate the content of the Seminar as a whole	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
5. To what extent the Seminar has changed your perspective	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>
6. To what you expect to use the information received through Seminar	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
7. How would you rate the quality of Speakers	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
8. How would you rate the quality of discussion held in each session	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
9. How would you rate the organization of the Seminar (Location, Facilities, Support from organizers etc.,)	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
10. How do you rate the time management in the event	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>

BLDE Association's
S.B. Arts & KCP Science College, Vijayapur

In
Collaboration with
College Alumni Association

**A Two Day International Seminar on
"Indian Literature in International Perspective"**

On
16th and 17th February, 2018

FEEDBACK FORM

Name of the Department : Hindi.

Date: 17.02.2018

	Topic of the Seminar	Sub-Themes of the Seminar	Location
1. What influenced you to attend this Seminar	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
	On-line	e-mail	others
2. How did you obtain information of this programme	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>
	V. Good	Good	Satisfactory
3. What is your overall assessment of the event	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
4. How would you rate the content of the Seminar as a whole	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
5. To what extent the Seminar has changed your perspective	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
6. To what you expect to use the information received through Seminar	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
7. How would you rate the quality of Speakers	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
8. How would you rate the quality of discussion held in each session	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
9. How would you rate the organization of the Seminar (Location, Facilities, Support from organizers etc.,)	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
10. How do you rate the time management in the event	<input type="checkbox"/>	<input checked="" type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>

16ರಿಂದ ಅಂತಾರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ವಿಚಾರಸಂಕಿರಣ

■ ವಿಕ ಸುದ್ದಿಲೋಕ ವಿಜಯಪುರ

ರಾಣಿಬೆನ್ನಮ್ಮ ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲಯ ಕಾಲೇಜು ಹಿಂದಿ ಅಧ್ಯಾಪಕರ ಸಂಘ ಮತ್ತು ಕನ್ನಡ ಅಧ್ಯಾಪಕರ ಸಂಘದ ಸಹಯೋಗದಲ್ಲಿ ಅಂತಾರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ವಿಚಾರ ಸಂಕಿರಣ ಫೆ.16 ಹಾಗೂ 17 ರಂದು ಬಿಎಲ್‌ಡಿಇ ಸಂಸ್ಥೆಯ ಎಸ್.ಬಿ. ಕಲಾ ಹಾಗೂ ಕೆಸಿಪಿ ವಿಜ್ಞಾನ ಮಹಾವಿದ್ಯಾಲಯದಲ್ಲಿ ಹಮ್ಮಿಕೊಳ್ಳಲಾಗಿದೆ. ಈ ವಿಚಾರ ಸಂಕಿರಣದಲ್ಲಿ ಭಾರತೀಯ ಸಾಹಿತ್ಯ; ಅಂತಾರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ವಿಷಯದ ಮೇಲೆ ಬೆಳಕು ಚೆಲ್ಲಲಾಗುತ್ತದೆ.

ಫೆ.16 ರಂದು ಬೆಳಿಗ್ಗೆ 10ಕ್ಕೆ ಜಲಸಂಪನ್ಮೂಲ ಸಚಿವ ಡಾ.ಎಂ.ಬಿ.ಪಾಟೀಲ ಉದ್ಘಾಟಿಸುವರು. ಮುಂಬಯಿಯ ವಿಮರ್ಶಕ ವಿಷ್ಣು ಖರೆ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ಉದ್ಘಾಟಿಸುವರು. ಜರ್ಮನಿ ಹ್ಯಾಂಬರ್ಗ್ ವಿವಿ ಇತಿಹಾಸ ವಿಭಾಗದ ಮುಖ್ಯಸ್ಥ ಡಾ. ರಾಮಪ್ರಸಾದ್ ಭಟ್, ಕಥೆಗಾರ ಡಾ.ಎನ್. ಅಮರೇಶ್ ವಿಶೇಷ ಆಹ್ವಾನಿತರಾಗಿ ಆಗಮಿಸಲಿದ್ದು ಡಾ. ಸವಿತಾ, ವೆನಿಸಾ ಅಸವೆಡೆ, ನೇಪಾಳದ ವಿಷ್ಣುಲಾಲ್ ಕುಮಾರ್, ಖ್ಯಾತ ಚಿತ್ರ ನಟ ಜೀನೂಜಿ ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಗಳಾಗಿ ಆಗಮಿಸಲಿದ್ದಾರೆ. ಇಂದಿರಾಗಾಂಧಿ ಬುಡಕಟ್ಟು ವಿವಿ ಕುಲಪತಿ ಪ್ರೊ.ಟಿ.ವಿ.ಕಟ್ಟಿಮನಿ ಪುಸ್ತಕ ಲೋಕಾರ್ಪಣೆ ಮಾಡಲಿದ್ದಾರೆ.


17 ರಂದು ಮಧ್ಯಾಹ್ನ 2ಕ್ಕೆ ನಡೆಯುವ

ಎರಡು ದಿನ ನಡೆಯುವ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮದಲ್ಲಿ ಭಾರತೀಯ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಂತಾರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ವಿಷಯದ ಮೇಲೆ ಸುದೀರ್ಘ ಚರ್ಚೆ ನಡೆಯುವುದು. 16 ರಂದು ನಡೆಯುವ ಮೊದಲನೇ ಗೋಷ್ಠಿಯಲ್ಲಿ ಹೈದ್ರಾಬಾದ್‌ನ ಉನ್ನತ ಶಿಕ್ಷಣ ಮತ್ತು ಸಂಶೋಧನೆ ವಿಭಾಗದ ಮುಖ್ಯಸ್ಥ ಪ್ರೊ. ವೃಷಭದೇವ ಶರ್ಮಾ ಅಧ್ಯಕ್ಷತೆ ವಹಿಸಲಿದ್ದು, ದೆಹಲಿಯ ಡಾ.ಪರೀಶ್ ಅರೋಡ್ ಹಿಂದಿ ಸಾಹಿತ್ಯದ ಅಂತಾರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ನೆಲೆಗಳ ವಿಷಯದ ಕುರಿತು ಮಾತನಾಡಲಿದ್ದಾರೆ. ಕನ್ನಡ ಸಾಹಿತ್ಯದ ಕುರಿತು ಡಾ.ಪ್ರಭಾಕರ ವಿಶೇಷ ಉಪನ್ಯಾಸ ನೀಡುವರು. ಕಾಲಾಡಿಯ ಶಂಕರಾಚಾರ್ಯ ಸಂಸ್ಕೃತ ವಿವಿ ಪ್ರಾಧ್ಯಾಪಕಿ ಶಾಂತಿ ನಾಕಯ ಮಲೆಯಾಳಂ ಸಾಹಿತ್ಯದ ಪರಿಚಯ ನೀಡಲಿದ್ದು ಧಾರವಾಡ ಕವಿಯ ಡಾ.ಪ್ರಭಾ ಭಟ್ ಕೊಂಕಣಿ ಸಾಹಿತ್ಯ ಪರಿಚಯಿಸಲಿದ್ದಾರೆ. ಡಾ.ವಿ.ಎಸ್. ಮಾಳಿ, ಬಿ.ಜಿ.ಬಿರಾದಾರ್, ವೈ.ಬಿ.ಹಿಮ್ಮಡಿ ಉಪಸ್ಥಿತರವರು ಎಂದು ಡಾ. ಕೆ.ಜಿ.ಪೂಜಾರಿ ಹೇಳಿದರು.

ಸಮಾರೋಪದಲ್ಲಿ ಕುವೆಂಪು ವಿವಿ ಹಿಂದಿ ವಿಭಾಗದ ಮುಖ್ಯಸ್ಥ ಡಾ.ಉಮಾ ಹೆಗಡೆ,

ಎಸ್‌ಬಿ ಕಲಾ ಮತ್ತು ಕೆಸಿಪಿ ವಿಜ್ಞಾನ ಕಾಲೇಜ್‌ನ ಪ್ರಾಚಾರ್ಯ ಡಾ.ಕೆ.ಜಿ.ಪೂಜಾರಿ, ದೂರ ಸಂಶೋಧನಾ ಕೇಂದ್ರದ ನಿರ್ದೇಶಕಿ ಡಾ.ವಿ.ಎಸ್.ಮಾಳಿ ಮುಖ್ಯ ಅತಿಥಿಗಳಾಗಿ ಆಗಮಿಸುವರು. ಜಿ.ಕೆ.ಪಾಟೀಲ ಅಧ್ಯಕ್ಷತೆ ವಹಿಸುವರು.

ಗೋಷ್ಠಿ ಎರಡರಲ್ಲಿ ಮುಂಬಯಿ ವಿವಿ ಹಿಂದಿ ವಿಭಾಗದ ಪ್ರಾಧ್ಯಾಪಕಿ ಡಾ.ಮುರುಮಕರ ಅಧ್ಯಕ್ಷತೆಯಲ್ಲಿ ಪ್ರಾಧ್ಯಾಪಕರು ಹಾಗೂ ಸಂಶೋಧನಾ ವಿದ್ಯಾರ್ಥಿಗಳು ಪ್ರಬಂಧ ಮಂಡಿಸಲಿದ್ದಾರೆ. ಕೆ.ಗಂಗಾಧರ. ಡಾ. ಎಚ್.ಬಿ.ಕೊಲ್ಲಾರ ಉಪಸ್ಥಿತರವರು. ಸಂಜೆ 6.30ಕ್ಕೆ ಸಂಗೀತ ರಸಸಂಜೆ ಕಾರ್ಯಕ್ರಮ ನಡೆಯಲಿದೆ. 17 ರಂದು ಬೆಳಿಗ್ಗೆ 10ಕ್ಕೆ ನಡೆಯುವ ಗೋಷ್ಠಿ ಮೂರರಲ್ಲಿ ಹಿಂದಿ ಸಾಹಿತ್ಯದ ಪ್ರಸಿದ್ಧ ವಿಮರ್ಶಕ ವಿಷ್ಣು ಕರೆ ಅಧ್ಯಕ್ಷತೆಯಲ್ಲಿ ಮೈಸೂರು ವಿವಿ ಪ್ರತಿಭಾ ಮುದ್ದಲಿಯಾರ್ ಮರಾಠಿ ನಾಟಕದ ಕುರಿತು ವಿಷಯ ಮಂಡಿಸಲಿದ್ದಾರೆ. ಹೈದರಾಬಾದಾ ವಿವಿಯ ಡಾ.ರಹೀಮ್ ಮಹಾನ ಪಠಾಣ ತೆಲಗು ಸಾಹಿತ್ಯ, ಗುಜರಾತ್‌ನ ಡಾ.ಎ.ಡಿ ಚಾವಡಾ ಗುಜರಾತ್ ಕಾದಂಬರಿ ಸಾಹಿತ್ಯದ ಕುರಿತು ಉಪನ್ಯಾಸ ನೀಡಲಿದ್ದಾರೆ. ಡಾ. ಜಿನದತ್ತ ಹಡಗಲಿ ಹಾಗೂ ಶ್ರೀಶೈಲ ನಾಗರಾಳ ಪಾಲ್ಗೊಳ್ಳುವರು ಎಂದು ಪ್ರಾಚಾರ್ಯ ಡಾ. ಕೆ.ಜಿ.ಪೂಜಾರಿ ಪ್ರಕಟಣೆಯಲ್ಲಿ ತಿಳಿಸಿದ್ದಾರೆ.


S. J. PAWAR.
 Head of Hindi,
 S.B. Arts & K.C.P. Science College,
 VIJAYAPUR.


IQAC, Co-ordinator
 S.B.Arts & K.C.P.Science College,
 Vijayapur.


Principal,
 S.B. Arts and KCP Science College
 VIJAYAPUR

೨೦೨೨ ತರ್ವಿಟಿ ೨೧೮/೦೨/೧೮

ವಿಶ್ವವೇ ಭಾರತದ ಕಡೆ ನೋಡುತ್ತಿದೆ



ವಿಜಯಪುರದ ಬಿಎಲ್‌ಡಿಇ ಸಂಸ್ಥೆಯ ಎಸ್‌ಬಿ ಕಲಾ ಹಾಗೂ ಕೆಸಿಪಿ ಸೈನ್ಸ್ ಕಾಲೇಜ್‌ನಲ್ಲಿ ಹಮ್ಮಿಕೊಂಡ ಅಂತಾರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ವಿಚಾರ ಸಂಕರಣವನ್ನು ಆಮಂತ್ರಿಸಿದ ಡಾ.ಸವಿತಾ ಹೆಳೇದರು.

■ ವಿಕಸುದ್ದಿಯೇ ವಿಜಯಪುರ

ಭಾರತದ ಜಾತಕ ಬದಲಾಗಿದೆ. ವಿಶ್ವವೇ ಭಾರತವನ್ನು ಕಣ್ಣು ಬಿಟ್ಟು ನೋಡುತ್ತಿದೆ ಎಂದು ಅಮೆರಿಕಾದ ಡಾ.ಸವಿತಾ ಹೆಳೇದರು.

ನಗರದ ಬಿಎಲ್‌ಡಿಇ ಸಂಸ್ಥೆಯ ಎಸ್‌ಬಿ ಕಲಾ ಹಾಗೂ ಕೆಸಿಪಿ ಸೈನ್ಸ್ ಕಾಲೇಜ್‌ನಲ್ಲಿ ಹಮ್ಮಿಕೊಂಡಿದ್ದ ಅಂತಾರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ವಿಚಾರ ಸಂಕರಣ ಉದ್ಘಾಟಿಸಿ ಅವರು ಮಾತನಾಡಿದರು.

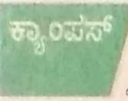
ಭಾರತೀಯ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಒಂದು ವಿಶೇಷತೆ ಇದೆ. ಸನಾತನ ಸಂಸ್ಕೃತಿಯ ಜೀವನ ಮೌಲ್ಯಗಳು ಭಾರತೀಯರಲ್ಲಿ ಹೆಚ್ಚು ಗಟ್ಟಿವೆ. ವಿಭಿನ್ನತೆಯಲ್ಲಿ ಏಕತೆ ಇರುವ ಭಾರತೀಯ ಸಂಸ್ಕೃತಿ ವಿಶಿಷ್ಟ ಇಂದಿನ ಮಕ್ಕಳಿಗೆ ನಮ್ಮ ಸಂಸ್ಕೃತಿಯ ಪರಿಚಯ ಮಾಡಿಕೊಡುವ ಅವಶ್ಯಕತೆ ಇದೆ. ಪ್ರತಿಯೊಂದು ಭಾಷೆಯೂ ಸಂಸ್ಕೃತಿ ಹೇಳಿಕೊಡುತ್ತದೆ. ಗ್ರಾಮೀಣ ಸಂಸ್ಕೃತಿಯ ಸೊಗಡು ಶ್ರೀಮಂತವಾಗಿದೆ. ಸಂಸ್ಕೃತಿಯ ಇತಿಹಾಸ ವಿಶಾಲತೆಯನ್ನು ಪಡೆದಿದೆ. ಅಮೆರಿಕಾದಲ್ಲಿಯೂ ಭಾರತೀಯ ಸಂಸ್ಕೃತಿಯ ಅಸ್ತಿತ್ವ ಕಾಣುತ್ತಿದ್ದೇವೆ ಎಂದರು.

ಜರ್ಮನಿ ಕ್ಯಾಂಬರ್ಗ್ ವಿವಿ ಇತಿಹಾಸ ವಿಭಾಗದ ಮುಖ್ಯಸ್ಥ ಡಾ.ರಾಮ ಪ್ರಸಾದ್ ಭಟ್ ಮಾತನಾಡಿ, ಭಾರತೀಯ ಸಾಹಿತ್ಯದಲ್ಲಿ ಹಿಂದಿ ಸಾಹಿತ್ಯ ಎತ್ತರದ ಸ್ಥಾನದಲ್ಲಿದೆ. ಹಿಂದಿ ಸಾಹಿತ್ಯದ ಪ್ರಾಚೀನತೆ ಮತ್ತು ಬೆಳೆದು ಬಂದ ಬಗೆ ವಿಶಾಲವಾದುದು. ಕಾಳದಾಸನ ಮೇಘದೂತ ಕಾವ್ಯ, ಪಂಚತಂತ್ರ ಕಥೆಗಳು ಯುರೋಪ್‌ನಲ್ಲಿ ಹಿಂದಿ ಭಾಷೆಯಲ್ಲಿ ಅನುವಾದಗೊಂಡಿವೆ ಎಂದರು.

ಹಾರೋಗೇರೆ ಸಂಶೋಧನಾ ಕೇಂದ್ರದ ನಿರ್ದೇಶಕ ಡಾ.ವಿ.ಎಸ್.ಮಾಳಿ ಮಾತನಾಡಿ, ಭಾಷೆಗಳು ಗೋಡೆಯನ್ನು ಕಟ್ಟುತ್ತವೆ. ಅನುವಾದಗಳು ಗೋಡೆಯನ್ನು ಒಡೆಯುತ್ತವೆ. ಗೋಡೆಗಳನ್ನು

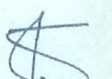
ತೆಗೆಯಲು ವಿಚಾರ ಸಂಕರಣಗಳು ಮುಖ್ಯವಾದ ಪಾತ್ರ ವಹಿಸುತ್ತವೆ. ಜಾಗತಿಕ ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡದ ಅಸ್ತಿತ್ವವನ್ನು ಕಟ್ಟುವ ಅವಶ್ಯಕತೆ ಇದೆ. ಪ್ರಜಾಸತ್ತಾತ್ಮಕ ಚಿಂತನೆಯ ಮೂಲ ನೆಲೆಯನ್ನು ತೋರಿಸಿ ಕೊಟ್ಟಿರುವುದು ಏಜಯ ಪುರ. ನಮ್ಮ ನಾಡಿನ ವಚನ ಸಾಹಿತ್ಯ ಕೇಂದ್ರ ಸರಕಾರ ದವರಗೂ ಮುಟ್ಟಿರುವುದು ಹೆಮ್ಮೆಯ ಸಂಗತಿ ಎಂದರು.


ಪ್ರಾಚಾರ್ಯ ಡಾ.ಕೆ.ಜಿ.ಪೂಜಾರಿ, ನೇಪಾಳದ ವೆನಿಸಾ ಅಸವೆಡೆ, ವಿಷ್ಣುಲಾಲ್ ಕುಮಾರ, ಚಿತ್ರನಟ ಜೀನೂಜಿ, ವಿ.ಎಸ್.ಮಾಳಿ, ಬಿ.ಜಿ.ಮೂಲಮನಿ, ಬಿ.ಆರ್.ಪಾಟೀಲ, ರಾಮಪ್ರಸಾದ್ ಭಟ್, ಜಿ.ಆರ್.ಅಂಬಲಿ, ಪ್ರೊ.ಬಿ.ಬಿ. ಡೆಂಗನವರ, ಪ್ರೊ. ಗಂಗಾಧರ ಗೇಂಡೆ, ಪ್ರೊ.ಸಿದ್ದಕಿ, ಡಾ.ಆರ್.ಎಚ್.ಬಿದರಿ, ಡಾ. ಎಸ್.ಟಿ.ಮೇರವಾಡೆ, ಎಸ್.ಜಿ.ಪವಾರ ಇದ್ದರು.

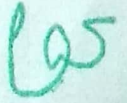


ಪುಸ್ತಕಗಳ ಲೋಕಾರ್ಪಣೆ :


ಡಾ.ಎಸ್.ಟಿ.ಮೇರವಾಡೆ, ಪ್ರೊ.ಬಿ.ಬಿ.ಡೆಂಗನವರ, ಡಾ. ಆರ್.ವಿ.ಪಾಟೀಲ್ ಅವರ ಸಂಪಾದಕತ್ವದಲ್ಲಿ ಕನ್ನಡ ಸಾಹಿತ್ಯ ಪರಂಪರೆಯ ಸಮಗ್ರ ನೋಟದ ಮಹೋನ್ನತ ಗ್ರಂಥ, ಕನ್ನಡದ ಕವಲುಗಳ ಸಂಗಮವಾದ ವಿಹಂಗಮ ಹಾಗೂ ಭಾರತೀಯ ಸಾಹಿತ್ಯ ಅಂತಾರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ನೆಲೆಯಲ್ಲಿ ಶೀರ್ಷಿಕೆಯ ಗ್ರಂಥ ಡಾ.ಎಸ್.ಎಸ್.ತೇರದಾಳೆ, ಡಾ. ಎಸ್.ಟಿ.ಮೇರವಾಡೆ, ಡಾ.ಎಸ್.ಎಚ್.ಪವಾರ, ಡಾ.ಎಸ್.ಜಿ.ಜಾಗೀರದಾರ ಅವರ ಸಂಪಾದಕತ್ವದಲ್ಲಿ 88 ಪ್ರಬಂಧಗಳ ಪುಸ್ತಕ ಜೊತೆಗೆ ಪ್ರೊ.ಬಿ.ಆರ್. ಅಂಬಲಿ, ಡಾ.ಕಾಖಂಡಕಿ ಅವರ ಸಂಪಾದಕತ್ವದಲ್ಲಿ ಸಂಸ್ಕೃತ ಸುಗಂಧ ಎಂಬ ಶೀರ್ಷಿಕೆಯ ಪುಸ್ತಕ, ಮರಾಠಿ ಸಾಹಿತ್ಯ ಕುರಿತು ಪ್ರೊ.ಗಂಗಾಧರ ಗೇಂಡೆ ಅವರಿಂದ ಸಂಪಾದಿತಗೊಂಡ ಕೃತಿ ಲೋಕಾರ್ಪಣೆ ಮಾಡಲಾಯಿತು.

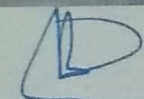

S. J. PAWAR.
 Head, Dept. of Hindi,
 S.B. Arts, & K. C. P Science
 College, BIJAPUR.

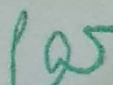

IQAC, Co-ordinator
 S.B. Arts & K.C.P. Science College,
 Vijayapur.


Principal,
 S.B. Arts and KCP Science College
 VIJAYAPUR




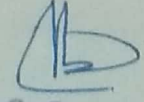

S. J. PAWAR.
 Head, Dept. of Hindi,
 B. Arts, & K. C. P Science
 College, BIJAPUR.

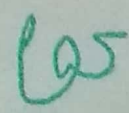

IQAC, Co-ordinator
 S.B.Arts & K.C.P.Science College,
 Vijayapur.


Principal,
 S.B. Arts and KCP Science College
 VIJAYAPUR




S. J. PAWAR.
 Head, Dept. of Hindi,
 B. Arts, & K. C. P Science
 College, BIJAPUR.


IQAC, Co-ordinator
 S.B.Arts & K.C.P.Science College,
 Vijayapur.


Principal,
 S.B. Arts and KCP Science College
 VIJAYAPUR